MANISH
PAGE:
DATE: / / 200

IQAC MEETING 16.07.2020

महा. वि. के IQAC की बैठक दिनांक 16.07.2020 को कक्षा क्रमांक 21 में आयोजित की गई। बैठक में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा अपने परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के बेस्ट प्रेक्टिसेस की प्रतियोगिता के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य सम्मिलित हुए :-

डा. आर. एन. सिंह (प्राचार्य) –
डा. जगजीत कौर सलूजा –
डा. अनुपमा अस्थाना –
डा. पदमावती –
डा. सोनाली गुप्ता –
डा. प्रज्ञा कुलकर्णी –
डा. सुनिता मैथ्यू –

बैठक में महाविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न Best Practices पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई, साथ ही महाविद्यालय की गरिमा के अनुरूप नये प्रयासों हेतु सुझाव आमंत्रित किये गये।

→ डा. पदमावती ने महाविद्यालय में Medicinal Garden एवं oxyzone के विकास का सुझाव दिया।

→ डा. जगजीत कौर सलूजा ने महाविद्यालय के साईकिल स्टैंड के पुनरुद्धार तथा आंतरिक सड़क के चौड़ीकरण एवं आंतरिक पाथवे निर्माण का सुझाव दिया जिससे विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो।

→ डा. अनुपमा अस्थाना ने सुझाव दिया कि महाविद्यालय में COVID-19 के पूर्व ~~से~~ संचालित Medical consultation room तथा stationary shop को offline कक्षाओं के प्रारंभ होते ही पुनः प्रारंभ किया जाये, जिससे विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में ही चिकित्सकीय एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जा सके।

→ डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने महाविद्यालय में उपलब्ध इंटरनेट सुविधाओं को और अधिक सशक्त बनाने का सुझाव देते हुए कहा कि इंटरनेट की speed तथा data limit को और अधिक बढ़ाया जाना चाहिए।

→ डॉ. सोनाली गुप्ता ने महा. वि. में Placement opportunity बढ़ाने हेतु प्रयास करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के Placement cell के द्वारा विद्यार्थियों के लिए personality development तथा साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है।

→ डॉ. सुनिता मैथ्यू ने composite training programme आयोजित करने का सुझाव दिया जिससे महा. वि. परिसर एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं में होने वाले दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके।

→ डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने सदस्यों को जानकारी दी कि हमारे महा. वि. की टीम के द्वारा अन्य महाविद्यालयों को नैक मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु लगातार सुझाव एवं सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

→ उन्होंने यह भी बताया कि यह सहयोग IQAC, परामर्श तथा SLQAC के माध्यम से किया जा रहा है।

→ महा. विद्यालय में शोध एवं पेटेंट को प्रोत्साहन देने का सुझाव दिया गया, तथा Interdisciplinary teaching एवं शोध को बढ़ावा देने का सुझाव दिया गया।

अंत में डॉ. पद्मावती ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।